Rajasthan Patrika Thursday, 7 June, 2008

मैं किशोर'दा नहीं हूं

कोलकाता के सेंट जेवियर कॉलेज के दिनों में क्लास की मेज की थाप पर अपने दोस्तों के साथ गाने वाले अर्णव चक्रवर्ती ने बचपन से नाम और शोहरत हासिल करने का सपना देखा था। अर्णव का मानना है कि सोनी चैनल के सिंगिंग शो 'के फॉर किशोर' ने उनके सपने को हकीकत में बदल दिया। 'के फॉर किशोर' का खिताब जीतने वाले अर्णव से हाल ही बातचीत हुई।

*** 'के फॉर किशोर' के बाद आपकी जिंदगी में क्या बदलाव आए हैं?**

पहले भी मैं गाता था, लेकिन मेरी आवाज को पहचान 'के फॉर किशोर' से मिली है। इस शो का विनर बनने के बाद मैं जहां भी जाता हूं, लोग मुझे दूर से देखकर पहचान लेते हैं। बचपन से तमन्ना थी कि लोग मुझे पहचानें और 'के फॉर किशोर' ने मेरा बचपन का यह सपना सच कर दिया।

आशा भोसले के साथ अर्णव

*** संगीत की ओर रुझान कब और कैसे हुआ?**

बचपन से किशोर'दा, रफी साहब और मन्ना डे को सुनता रहा हूं। कॉलेज के दिनों में क्लास की मेज पर थाप के साथ अपने दोस्तों के साथ खूब गाने गाया करता था। कॉलेज के दिनों का यह शौक मेरा जुनून बन गया और अपने इसी जुनून के चलते 1999 में मुंबई आ गया। यहां गौतमी मुखर्जी के मार्गदर्शन में मैंने संगीत की तालीम हासिल की। मैंने कोलकाता स्कूल ऑफ म्यूजिक से तीन साल तक वेस्टर्न म्यूजिक भी सीखा है।

*** 'खाकी' फिल्म में आपका गाया गीत 'वादा रहा...' काफी पॉपुलर हुआ था। यह गीत गाने का मौका आपको किस तरह मिला?**

मैं उन दिनों उदित नारायण के लिए डमी गीत गाता था। इसी दौरान राजकुमार संतोषी को मेरी आवाज पसंद आ गई और उन्होंने मुझे अपनी फिल्म में गाने का मौका दे दिया।

*** जिंदगी का सबसे यादगार पल... ?**

'के फॉर किशोर' के दौरान आशाजी के ऑटोग्राफ वाला किशोर'दा के साथ उनका फोटोग्राफ मिलना मेरी जिंदगी का सबसे यादगार पल है।

*** क्या जिंदगी में कभी निराश होना पड़ा?**

सभी की जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। मुझे भी जिंदगी में कई बार मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। मैंने अच्छी यादों को हमेशा अपने दिल में संजोया है और बुरे अनुभवों को मैं बहुत जल्दी भुला देता हूं, क्योंकि ऐसी बातों से कुछ हासिल नहीं होता।

*** अपने रोल मॉडल किशोर'दा के बारे में क्या कहना चाहेंगे?**

शो की शुरुआत के समय लोगों को यह लगा था कि इस शो के जरिए किशोर'दा का विकल्प तलाशा जा रहा है। किशोर'दा महान गायक थे और मैं अपने जीवन में किशोर'दा जैसा एक फीसदी भी गा पाया, तो मेरे लिए यह बहुत बड़ी बात होगी। मैं तो क्या कोई भी किशोर'दा की बराबरी नहीं कर सकता। मैं किशोर'दा की पूजा करता हूं। किशोर'दा के बारे में जितना भी कहूं, कम ही होगा।

*** अपने फ्यूचर प्लान के बारे में कुछ बताइए ?**

प्लेबैक सिंगिंग के साथ अपना एलबम भी निकालना चाहूंगा। फिलहाल सारेगामा के साथ आने वाले एलबम की रिकॉर्डिंग में व्यस्त हूं।

– विपुल शर्मा